नवजात बछड़े / बछियों की देखभाल

By Kisan Kheti Ganga

- जन्म के तत्काल बाद बछड़े / बछिया की नाक और उसका मुंह साफ करें।
- नवजात बछड़े / बछिया की छाती पर धीरे-धीरे, मालिश करें जिससे कि उसे सास लेने में आसानी रहे। बछड़े/बछिया के पूरे शरीर को अच्छी तरह से साफ करें।
- मुंह में दो अंगुलियाँ डालें और उन्हें उसकी जीभ पर रखें । इससे बछड़े / बछियों को दघ पीने में मदद मिलेगी।
- नाल को दो इंच की दूरी पर धागे के साथ बाध दे । बची हुई नाल को साफ कैची से काट कर उस पर टिक्चर आयोडिन लगायें जिससे कि नाल में संक्रमण को रोका जा सके।
- जन्म के बाद आधे घंटे के भीतर नवजात पशु को खीस पिलाएं। खीस की मात्रा
  बच्चे के बजन के 1/10 भाग के बराबर होनी चाहिये। जिसे दिन में तीन से चार बार बांटकर देना चाहिये।
- बछड़/बछिया के उचित विकास हेतु उन्हें दो माह की उम्र तक दृध पिलाना चाहियेतीसरे सप्ताह कृमिनाशक दवा दे।तदन्तर, 3 व 6 माह की उम्र में एक-एक बार ।
- बछड़ा/बछिया जैसे ही एक महीने का हो जाए, उसे कोमल घास (‘हैं) और 100 ग्राम शिशु-आहार प्रति दिन देना चाहिये।
- तीन महीने की आयू होने पर, पशु चिकित्सक से संपर्क करके आवश्यक टीके लगवाएं।
- नवजात बछड़े/बछियों को सूरक्षित वातावरण में रखना चाहिये ।
  आज के बाछड़े/बछिया, कल के बेहतर पशु ।